भारतीय वैश्विक परिषद

सप्रू हाउस

समाचार पत्रक

अंक : 39 अक्टूबर - दिसंबर, 2024

भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा (आईपीएंडटीएएफएस/IP&TAFS) के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एवं आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ का सप्रू हाउस में 14 दिसंबर 2024 को आगमन। इस अवसर पर संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया भी उपस्थित थे।

मुख्य बातें

17 अक्टूबर 2024. महामहिम श्री जॉर्ज रोजास रॉड्रिगेज़, कोलंबिया के विदेश मामलों के उपमंत्री का व्याख्यान।

19 नवंबर 2024, "यूक्रेन और गाज़ा युद्धः उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का संकट" पर पैनल चर्चा।

20 नवंबर 2024. चौथी भारत-जर्मनी 1.5 ट्रैक रणनीतिक वार्ता।

26 नवंबर 2024, "चीन की नई वैश्विक पहलः एजेंडा और परिणाम" पर पैनल चर्चा।

आईसीडब्ल्यूए प्रकाशन

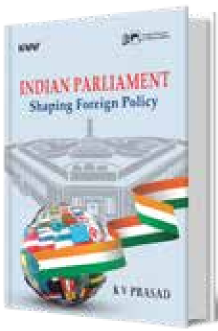

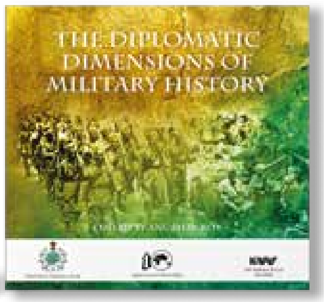

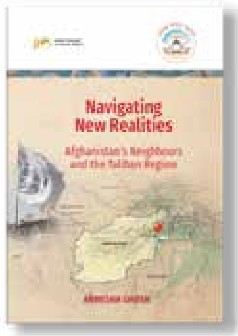

मौखिक इतिहास परियोजना

श्री समर्स इन पाकिस्तान - मई 1958 से अक्टूबर 1960 तक, के वी पद्मनाभन, 9 अक्टूबर 2024

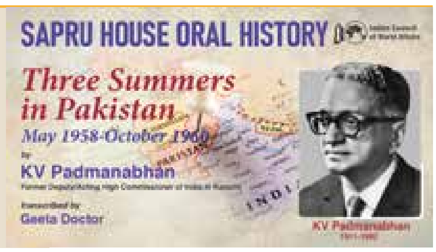

विषय-सूची

"डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा" पर अध्ययन समूह की पहली सीएससीएपी बैठक, 1-3 अक्टूबर 2024 5

आरएएंडडी कॉर्पोरेशन के सेंटर फॉर एशिया पेसेफिक पॉलिसी (सीएपीपी) के निदेशक डॉ. रफीक दोसानी ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 3 अक्टूबर 2024 5

श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए ने महात्मा गांधी सम्मेलन, रशिया हाउस को संबोधित किया, 3 अक्टूबर 2024 5

कज़ाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल ने आईसीडब्ल्यूए के निदेशक श्री हितेश राजपाल से मुलाकात की, 7 अक्बूटर 2024 6

कोलंबिया के विदेश मामलों के उप मंत्री महामहिम श्री जॉर्ज रोजास रोड्रिगेज़ का भाषण, 17 अक्टूबर 2024 7

जीआईजेड़ के 'विकासोन्मुख प्रवासन को आकार देने (एमईजी)' के अंतर्गत पूर्व– प्रशिक्षण और "अनिश्चित कार्य स्थितियां एवं वैश्विक देखभाल श्रृंखला" पर चर्चा, 21 अक्टूबर 2024 7

आईसीडब्ल्यूए में प्रवासन, गतिशीलता एवं प्रवासी अध्ययन केंद्र (सीएमएमडीएस/CMMDS) ने आईसीडब्ल्यूए–आईओएम परियोजना की तीसरी परियोजना सलाहकार समिति (एसी) बैठक में भाग लिया, 22 अक्टूबर 2024 8

सीआईसीए (CICA) थिंक टैंक फोरम (टीटीएफ/ TTF) की 12वीं बैठक, 23-25 अक्टूबर 2024 8

नॉर्वेयियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनयूपीआई/ NUPI) के वरिष्ठ शोधार्थी प्रो. स्टीन सुंडस्टोल एरिक्सन ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 23 अक्टूबर 2024 9

म्यांमार के प्रतिनिधिमंडल के लिए 'संविधानवाद और संघवाद' पर कार्यशाला, 5-6 नवंबर 2024 10

वियतनाम में सीपीवी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रोफेसर डॉ. गुएन युआन थांग के साथ बैठक, सप्रू हाउस, 12 नवंबर 2024 10

म्यांमार के लिए फ्रांस के विशेष दूत राजदूत क्रिश्चियन लेचेरवी ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 14 नवंबर 2024 11

'आईसीडब्ल्यूए ने खदान प्रक्रियाः सुरक्षित विश्व का मार्ग' विषय पर एक संगोष्ठी का सह– आयोजन आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने संगोष्ठी को संबोधित किया, 14 नवंबर 2024 11

"यूक्रेन और गाज़ा युद्धः उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का संकट" विषय पर पैनल चर्चा, 19 नवंबर 2024 12

चौथी भारत-जर्मनी 1.5 ट्रैक रणनीतिक वार्ता, 20 नवंबर 2024 13

डॉ. सैयद मोहम्मद सादेग इमामियन, सह– संस्थापक और पूर्व निदेशक, शासन एवं नीति विचार मंच, शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, तेहरान, 20 नवंबर 2024 13

“चीन की नई वैश्विक पहल: एजेंडा और परिणाम” पर पैनल चर्चा, 26 नवंबर 2024 14

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी/ CSCAP) का 14वां महासम्मेलन, 2-3 दिसंबर 2024 15

61वीं सीएससीएपी संचालन समिति की बैठक, 4 दिसंबर 2024 15

अलेक्जेंडर गोरचकोव पब्लिक डिप्लोमेसी फंड, मॉस्को के प्रमुख परियोजना प्रबंधक श्री अलेक्जेंडर नोविकोव और अन्य ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 3 दिसंबर 2024 16

डॉ. श्रीराम चौलिया द्वारा लिखित पुस्तक ‘फ्रेंड्स: इंडियाज़ क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स’ पर चर्चा, 5 दिसंबर 2024 16

रक्षा अध्ययन संस्थान, रक्षा मंत्रालय, वियतनाम के साथ बातचीत, 11 दिसंबर 2024 17

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष का सप्रू हाउस दौरा, 14 दिसंबर 2024 18

"श्रीलंका में हाल के घटनाक्रम: महत्व और निहितार्थ" पर पैनल चर्चा, 17 दिसंबर 2024 18

“तालिबान के शासन में अफ़गानिस्तानः अतीत के सबक और भविष्य की राह” पर पैनल चर्चा, 20 दिसंबर 2024 19

आउटरीच कार्यक्रम 21

आईसीडब्ल्यूए में शोध प्रशिक्षु 30

प्रकाशन 31

भारत त्रैमासिक– संपादकीय 35

"डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा और संरक्षा" पर अध्ययन समूह की पहली सीएससीएपी बैठक, 1-3 अक्टूबर 2024

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा पर काउंसिल फॉर सिक्योरिटी कोऑपरेशन इन द एशिया पेसेफिक (सीएससीएपी/ CSCAP) अध्ययन समूह की पहली बैठक 01-03 अक्टूबर 2024 तक सिंगापुर में आयोजित की गई। बैठक की मेज़बानी सीएससीएपी सिंगापुर ने की और इसका आयोजन एस, राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (आरएसआईएस), नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर ने किया।

डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) के साइबर सिक्योरिटी एंड क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज के सलाहकार एयर वाइस मार्शल (एवीएम) डॉ. देवेश वत्स ने सीएससीएपी– इंडिया की ओर से बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक मुख्य रूप से सीएससीएपी सदस्य देशों के लिए समुद्र के नीचे दूरसंचार केबलों की सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित मुद्दों पर विचार– विमर्श एवं चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी।

डॉ. रफीक दोसानी, निदेशक, सेंटर फॉर एशिया पेसेफिक पॉलिसी (सीएपीपी), आरएएनडी कॉर्पोरेशन ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 3 अक्टूबर 2024

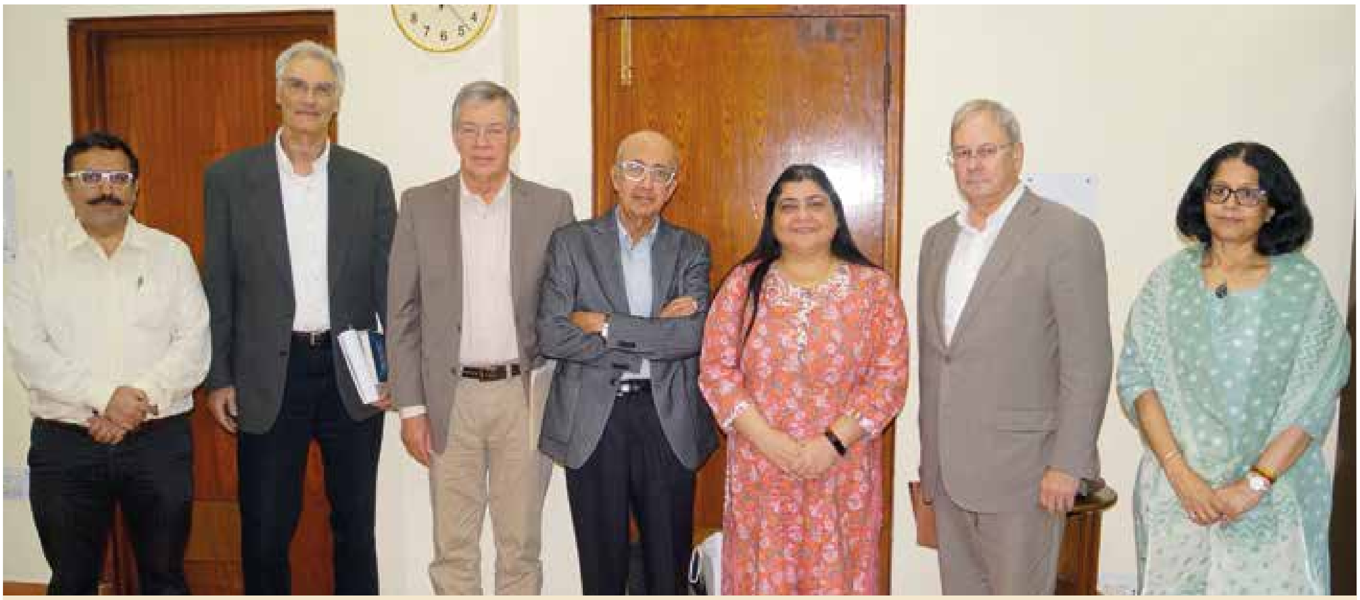

डॉ. रफीक दोसानी, निदेशक, सेंटर फॉर एशिया पेसेफिक पॉलिसी (सीएपीपी), आरएएंडडी कॉर्पोरेशन ने अकादमिक और शोध सहयोग पर चर्चा करने के लिए सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की। डॉ. दोसानी के साथ आरएएनडी के वरिष्ठ शोधार्थी जॉन पैराचिनी, ब्रूस हेल्ड और रैंडल स्टीब भी थे।

श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए ने महात्मा गांधी सम्मेलन, रशिया हाउस को संबोधित किया, 3 अक्टूबर 2024

आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने आज 155वीं गांधी जयंती के अवसर पर नई दिल्ली के रशिया हाउस में आयोजित महात्मा गांधी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने गांधी जी और टॉलस्टॉय की विरासत पर बात की। सम्मेलन को भारतीय

दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर सचिदानंद मिश्रा, जेएनयू के सेंटर ऑफ पॉलिटिकल रिसर्च के संकाय सदस्य एवं अन्य राजनीतिक वैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों ने संबोधित किया।

कज़ाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल ने आईसीडब्ल्यूए के निदेशक श्री हितेश राजपाल से मुलाकात की, 7 अक्बूटर 2024

कज़ाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के विदेश नीति विश्लेषण और रणनीतिक योजना विभाग की उप– निदेशक श्रीमती आइदा येरमेक्कालियेव और कज़ाकिस्तान गणराज्य के दूतावास के काउंसलर (डीएचएम) श्री अज़ात सेरिकबोसिन ने कज़ाकिस्तान और आईसीडब्ल्यूए के विचारमंचों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को बेहतर करने के लिए सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए के निदेशक श्री हितेश राजपाल से मुलाकात की।

कोलंबिया के विदेश मामलों के उप मंत्री महामहिम श्री जॉर्ज रोजास रोड्रिगेज़ का भाषण, 17 अक्टूबर 2024

महामहिम रोड्रिगेज ने अपने भाषण में नई कोलंबियाई सरकार की प्रगतिशील विदेश नीति के बारे में बताया जो जीवन को केंद्र में रखते हुए जलवायु परिवर्तन पर फोकस करती है। उन्होंने प्रकृति के अधिकारों पर परंपरागत अद्वितीय कोलंबियाई नज़रिए के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कोलंबिया को जैव विविधता पर सम्मेलन (सीबीडी) के अगले सीओपी की मेज़बानी करनी थी और आम सहमति आधारित पहल की आशा थी। उन्होंने कहा कि कोलंबिया का लक्ष्य परंपरागत उत्तर–केंद्रित संरेखण से हटकर एशिया और अफ्रीका के साथ पहले से बेहतर दक्षिण– दक्षिण सहयोग की हिमायत करना है। कोलंबिया एक कूटनीतिक क्रांति पर बल दे रहा है जो पारिस्थितिक संरक्षण को वैश्विक शांति के साथ एकीकृत करता है, पर्यावरण संरक्षण के बदले ऋण राहत जैसी पहलों का प्रस्ताव देता है और जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए साझेदारी को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि कोलंबिया जलवायु पर कार्रवाई की आवश्यकता को बताने के अपने प्रयास में भारत को रणनीतिक भागीदार के रूप में देख रहा है।

जर्मनी के जीआईजेड़ के 'विकासोन्मुख प्रवासन को आकार देना (एमईजी)' के अंतर्गत पूर्व– प्रशिक्षण और "अनिश्चित कार्य स्थितियां एवं वैश्विक देखभाल श्रृंखला" पर चर्चा, 21 अक्टूबर 2024

अपने कार्यक्रम, विकासोन्मुख प्रवासन को आकार देना (एमईजी/MEG) के अंतर्गत, जीआईजेड (GIZ) इंडिया ने एक पूरे दिन की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका ध्यान प्रवासी देखभाल कार्यकर्ताओं द्वारा विदेशों में सामना की जाने वाली प्रमुख चुनौतियों एवं अवसरों और वैश्विक देखभाल श्रृंखलाओं पर नीतियां तैयार करने पर केंद्रित था। श्रीमती अंबी, आरए एंड लीड, प्रवासन, गतिशीलता एवं प्रवासी अध्ययन केंद्र, आईसीडब्ल्यूए ने संरक्षण प्रवास को समझने में एक प्रवण दृष्टि की जरूरत के बारे में बताया प्रस्थान–पूर्व अभिमुखीकरण प्रशिक्षण (पीडीओटी/PDOT) के महत्व के बारे में बताया जो विदेशों में संरक्षण प्रवास कर्मियों की सुरक्षा और तैयारी सुनिश्चित करने में भूमिका निभा सकता है। प्रशिक्षण में राज्य भर्ती एजेंसियों (गैर– निवासी केरलवासी मामले (एनओआरकेए/NORKA) रूट्स और तेलंगाना ओवरसीज़ मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकॉम/ TOMCOM), और एक संभावित प्रवासी समेत विविध प्रतिनिधित्व पर था। इस प्रतिनिधियों ने संरक्षण प्रवासन के पीछे की वास्तविकताओं के बारे में बताते हुए क्षेत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

आईसीडब्ल्यूए में प्रवासन, गतिशीलता एवं प्रवासी अध्ययन केंद्र (सीएमएमडीएस/ CMMDS) ने आईसीडब्ल्यूए– आईओएम परियोजना की तीसरी परियोजना सलाहकार समिति (एसी) बैठक में भाग लिया, 22 अक्टूबर 2024

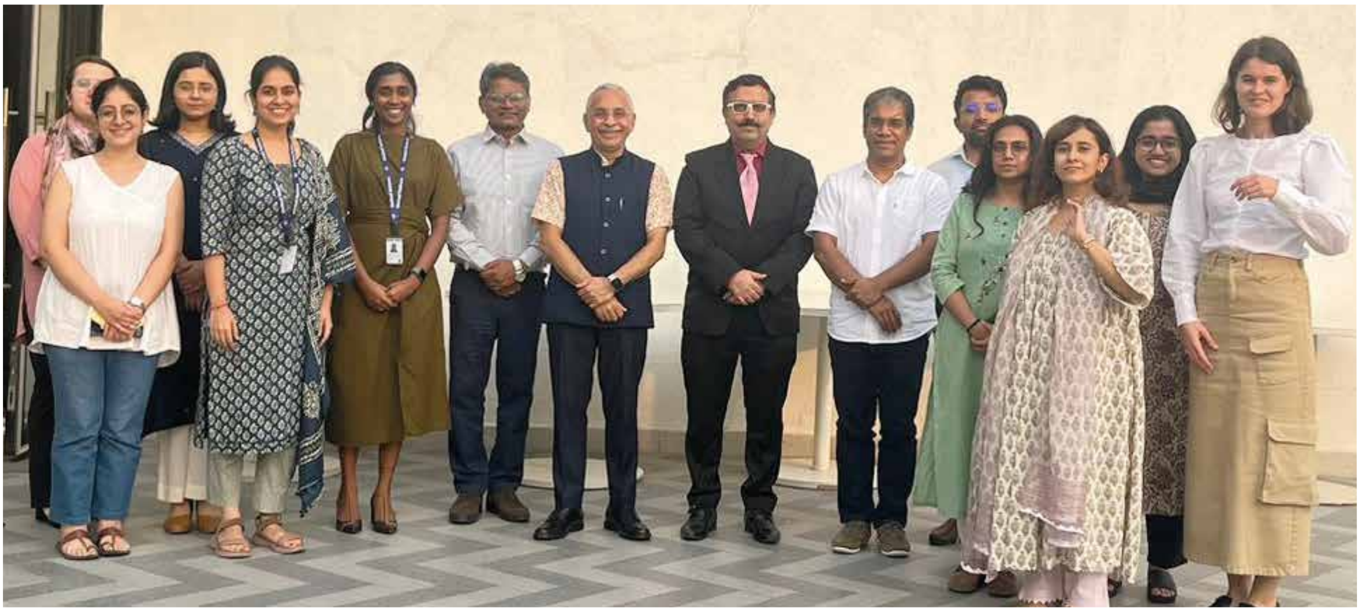

आईसीडब्ल्यूए के प्रवासन, गतिशीलता एवं प्रवासी अध्ययन केंद्र (सीएमएमडीएस/ CMMDS) ने नई दिल्ली में आईसीडब्ल्यूए–अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) परियोजना, युवा और कुशल पेशेवरों के लिए नियमित और सहायता प्राप्त प्रवासन को बढ़ावा देने (प्रयास/PRAYAS) की तीसरी परियोजना सलाहकार समिति (एसी) की बैठक में भाग लिया। आईसीडब्ल्यूए के निदेशक श्री हितेश राजपाल, ने उद्घाटन भाषण दिया और चर्चाओं के दौरान अपने विचार रखे। आईओएम इंडिया के प्रमुख श्री संजय अवस्थी ने स्वागत भाषण दिया। आईसीडब्ल्यूए, सीएमएमडीएस की रिसर्च एसोसिएट और लीड श्रीमती अंबी ने आंकड़ों की सटीकता और प्रसार रणनीतियों के बारे में बताया। केरल के विकास अध्ययन केंद्र (सीडीएस/CDS), की डॉ. प्रवीणा कोडोथ और पुणे के फ्लेम यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डॉ. दिव्या बालन समेत प्रवासन विशेषज्ञों ने बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।

सीआईसीए (CICA) थिंक टैंक फोरम (TTF) की 12वीं बैठक, 23-25 अक्टूबर 2024

शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईआईएस) द्वारा 24-25 अक्टूबर 2024 को शंघाई में एशिया में सहभागिता और विश्वास निर्माण उपायों पर 12वीं सम्मेलन (सीआईसीए) थिंक टैंक फोरम (टीटीएफ) का आयोजन किया गया। आईसीडब्ल्यूए भारत का प्रतिनिधि थिंक टैंक (विचार मंच) है और उसने इस संगोष्ठी में भाग लिया। 12वें सीआईसीए टीटीएफ का विषय था– 'बहुध्रुवीय विश्व में एशिया की नई भूमिका'। फोरम में तीन कार्य सत्र थे: 1- एशियाई परिप्रेक्ष्य से बहुध्रुवीय विश्व का विकास; 2– एशियाई परिप्रेक्ष्य से वैश्विक सतत विकास; 3– एशियाई परिप्रेक्ष्य से सीआईसीए व्यवस्था का निर्माण।

वैश्विक गतिशीलता को आकार देने में एशिया के बढ़ते प्रभाव के महत्व पर जोर देते हुए, सीआईसीए टीटीएफ प्रतिभागियों ने बहुपक्षवाद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति बहुपक्षवाद की ओर बढ़ रही है और एशियाई देश इस प्रक्रिया में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगें क्योंकि इस क्षेत्र में आर्थिक विकास और भू– राजनीतिक महत्व तेज़ी से बढ़ रहा है। फोरम में, क्षेत्रीय सहयोग, सुरक्षा और शांति, कनेक्टिविटी, वित्त, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास प्राप्त करने जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एशिया कई परंपरागत और गैर– परंपरागत सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है और सीआईसीए की व्यवस्था के माध्यम से संवाद के जरिए क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाया जाना चाहिए। भारतीय प्रतिभागियों ने इस विषय पर बात की। बहुध्रुवीय विश्व केवल बहुध्रुवीय एशिया द्वारा ही संभव है। बहुध्रुवीय एशिया एशियाई सदी और बहुध्रुवीय विश्व दोनों के लिए जरूरी है। यह भी कहा गया है कि बहुपक्षवाद में सुधार करने से बहुध्रुवीयता बेहतर बनेगी। सीआईसीए स्वयं को एक पूर्ण अंतरराष्ट्रीय संगठन में बदल रहा है– यह प्रक्रिया वर्तमान अध्यक्ष कज़ाकिस्तान के नेतृत्व में शुरू की गई है। अज़रबैज़ान सीआईसीए का अगला अध्यक्ष बनने के लिए तैयार है, कज़ाकिस्तान पक्ष ने उम्मीद जताई है कि बाकू इस परिवर्तन को जारी रखेगा।

नॉर्वे इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनयूपीआई/ NUPI) के वरिष्ठ शोधार्थी प्रो. स्टीन सुंडस्टोल एरिक्सन ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 23 अक्टूबर 2024

नॉर्वेयियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनयूपीआई/NUPI) के वरिष्ठ शोधार्थी प्रो. स्टीन सुंडस्टोल एरिक्सन ने भारत की विदेश नीति और महाशक्तियों के साथ संबंधों पर चर्चा करने के लिए आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की। प्रो. एरिक्सन ने आईसीडब्ल्यूए और नई दिल्ली स्थित नॉर्वे के दूतावास द्वारा समन्वित अकादमिक और विदेश नीति विशेषज्ञों के साथ परामर्श हेतु नई दिल्ली का दौरा किया। इस बैठक के दौरान उनके साथ नॉर्वे के दूतावास की द्वितीय सचिव (राजनीतिक) श्रीमती नोरा डोकेन हार्बो भी थीं।

म्यांमार के प्रतिनिधिमंडल के लिए 'संविधानवाद और संघवाद' पर कार्यशाला, 5-6 नवंबर 2024

5-6 नवंबर 2024 को सप्रू हाउस में म्यांमार से दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल के लिए आईसीडब्ल्यूए द्वारा "संविधानवाद और संघवाद" विषय पर दूसरी व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई थी। भारत में संविधानवाद और संघवाद के अलग– अलग मुद्दों पर छह व्याख्यान डॉ. वी. एन. आलोक, श्री बी.एस. बसवान, आईएएस (सेवानिवृत्त), डॉ. पिनाकी चक्रवर्ती, प्रो. सुदर्शन रामास्वामी और श्री विकास आनंद द्वारा दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल को दिए गए। वक्ताओं ने संविधान को बनाए रखने और विविधता में एकता को बढ़ावा देने में लोकतंत्र और इसकी मशीनरी के भारत के अनुभव पर बातचीत की। म्यांमार के प्रतिनिधिमंडल विशेष रूप से उत्सुक थे और उन्होंने भारत में पंचायती राज प्रणाली के बारे में कई सवाल पूछे। उन्होंने वित्त आयोग जैसी संबंधित संस्थाओं के कामकाज में अंतर के बारे में भी जाना।

वियतनाम में सीपीवी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रोफेसर डॉ. गुएन युआन थांग के साथ बैठक, सप्रू हाउस, 12 नवंबर 2024

12 नवंबर 2024 को, महामहिम प्रो. डॉ. गुएन युआन थांग, सीपीवी के पोलित ब्यूरो सदस्य, एचसीएमए के अध्यक्ष और केंद्रीय सिद्धांत परिषद के अध्यक्ष और उनकी टीम ने भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) का दौरा किया और परिषद की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, जिनके साथ उन्होंने भारत–वियतनाम द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न मुद्दों और वैश्विक संदर्भ में जुड़ाव के प्रमुख बिंदुओं पर समृद्ध बातचीत की।

दोनों पक्षों ने बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों, विशेष रूप से रक्षा और समुद्री क्षेत्रों पर चर्चा की। भारत और वियतनाम इस क्षेत्र में शांति के पक्षधर हैं जैसा कि भारत के रणनीतिक स्वायत्तता के नज़रिए और वियतनाम की चार नहीं नीति (Vietnam's Four No's Policy) के बीच समरूपता से स्पष्ट है। उन्होंने आपदा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में क्षमता निर्माण समेत सहयोग के नए क्षेत्रों का भी प्रस्ताव रखा। वार्ता का एक दूसरा फोकस क्षेत्र दोनों देशों की अपनी–अपनी अर्थव्यवस्थाओं के लिए जन–केंद्रित नज़रिए को बढ़ावा देने में समानता थी।

म्यांमार के लिए फ्रांस के विशेष दूत राजदूत क्रिश्चियन लेचेरवी ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 14 नवंबर 2024

म्यांमार के लिए फ्रांस के विशेष दूत राजदूत क्रिश्चियन लेचेरवी ने 14 नवंबर 2024 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने म्यांमार की स्थिति और इसके समाधान की दिशा में काम करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर चर्चा की।

आईसीडब्ल्यूए ने 'खदान प्रक्रियाः सुरक्षित विश्व का मार्ग' विषय पर एक संगोष्ठी का सह–आयोजन किया, 14 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 14 नवंबर 2024 को नई दिल्ली में होराइज़न ग्रुप, इंडिया इंटरनेशनल फोरम ऑन माइन एक्शन एंड सेफ्टी (आईआईएफओएमएएस/ IIFOMAS) और भूमि युद्ध अध्ययन केंद्र (सीएलएडब्ल्यूएस/ CLAWS) के साथ मिलकर खदान प्रक्रियाः सुरक्षित विश्व का मार्ग, विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने अपने विचार व्यक्त किए।

“यूक्रेन और गाज़ा युद्धः उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का संकट” विषय पर पैनल चर्चा, 19 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 19 नवंबर 2024 को सप्रू हाउस में “यूक्रेन और गाज़ा युद्धः उदार और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का संकट” विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी के राजदूत मोहन कुमार ने की और चर्चा में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चिंतामणि महापात्रा (सेवानिवृत्त), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के रूसी एवं मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर संजय कुमार पांडे और शिव नादर यूनिवर्सिटी के डॉ. अतुल मिश्रा शामिल थे। अपने उद्घाटन भाषण में आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने अंतरराष्ट्रीय उदार व्यवस्था के बारे में संक्षेप में बात की। उन्होंने मानव–केंद्रित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए आठ उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। ये उद्देश्य थे– युद्ध का न होना; दीर्घकालिक शांति, स्थिरता और सुरक्षा; अंतरराष्ट्रीय राजनीति की आवश्यक इकाई के रूप में दृढ़ राष्ट्र, राजनीतिक स्वतंत्रता और उत्तरदायी व्यवहार; सामंजस्यपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण अंतरराज्यीय संबंध; बहुध्रुवीयता; मानवता और राष्ट्र के संसाधन नागरिकों के कल्याण के लिए समर्पित हों; सर्वांगीण समृद्धि; और अधिकारों एवं दायित्वों का न्यायसंगत संतुलन।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए राजदूत मोहन कुमार ने कुछ विचारोत्तेजक प्रश्न रखते हुए कहा कि उदारवाद इस समय पूर्ण संकट की स्थिति में है। प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने यूक्रेन और गाज़ा युद्धों के वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की। प्रो. संजय कुमार पांडे ने अपने वक्तव्य की शुरुआत इस प्रश्न से की कि उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में कितनी 'उदार' और 'अंतरराष्ट्रीय' है। उन्होंने जोसेफ नाई के इस आलोचनात्मक कथन का समर्थन किया कि उदारवादी व्यवस्था अटलांटिक तट के पार समान विचारधारा वाले देशों तक सीमित थी और इसमें सोवियत, चीन और भारत जैसे देश शामिल नहीं थे। डॉ. अतुल मिश्रा ने कहा कि उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था धीरे– धीरे पतन की ओर बढ़ रही है। उन्होंने उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और नियम– आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के बीच का अंतर बताया। विश्व युद्ध के बाद के दिनों की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उन तीन सीमित व्यवस्थाओं में से एक है, जिन्हें हमने नियम– आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के तहत देखा। चर्चा के बाद संक्षिप्त प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया था।

चौथी भारत-जर्मनी 1.5 ट्रैक रणनीतिक वार्ता, 20 नवंबर 2024

चौथी भारत– जर्मनी ट्रैक 1.5 रणनीतिक वार्ता 20 नवंबर 2024 को बर्लिन, जर्मनी में आयोजित की गई। 2+2 नीति वार्ता में भारतीय पक्ष से आईसीडब्ल्यूए और आरआईएस एवं जर्मन पक्ष से जीआईजीए और एसडब्ल्यूपी बर्लिन ने भाग लिया। आईसीडब्ल्यूए/ भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जर्मनी में भारत के पूर्व राजदूत राजदूत गुरजीत सिंह ने किया। आरआईएस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव (आर्थिक संबंध) राजदूत अमर सिन्हा ने किया। जर्मनी की ओर से प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसडब्ल्यूपी बर्लिन के निदेशक डॉ. स्टीफन मैयर और जीआईजीए के निदेशक डॉ. पैट्रिक कोलनर ने किया। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत विनायक गुप्ते और जर्मनी के संघीय विदेश कार्यालय में हिंद– प्रशांत नीति, दक्षिण एशिया और अफगानिस्तान के निदेशक एरिक कुर्जवील ने भी इस वार्ता में भाग लिया। भारत– जर्मनी संबंधों की स्थिति; हिंद– प्रशांत में सहयोग; वैश्विक और व्यापार सहयोग; भारत और जर्मनी के बीच जलवायु एवं तकनीकी सहयोग पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत– यूरोपीय संघ संबंधों को मजबूत करने समेत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की जरूरत की पुष्टि की।

डॉ. सैयद मोहम्मद सादेग इमामियन, सह– संस्थापक और पूर्व निदेशक, शासन एवं नीति विचार मंच, शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, तेहरान, का दौरा, 20 नवंबर 2024

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 20 नवंबर 2024 को- ‘ पश्चिम एशिया में स्थिति और भारत– ईरान द्विपक्षीय संबंध’ विषय पर बंद कमरे में संवाद हुआ। इसकी अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने की। कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सैयद मोहम्मद सादेग इमामियन थे, जो शासन एवं नीति विचार मंच के सह– संस्थापक और वरिष्ठ सलाहकार एवं ईरान में अमीर कबीर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में सहायक प्रोफेसर हैं।

तीन विषयों पर ध्यान देते हुए डॉ. इमामियन ने ईरान– भारत द्विपक्षीय संबंधों के लिए चाबहार बंदरगाह और गलियारे के सहयोग के महत्व को स्पष्ट किया, साथ ही नए ट्रम्प प्रशासन के मद्देनज़र ईरान की अपनी सुरक्षा और निरोध रणनीतियों के संभावित पुनर्मूल्यांकन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास गुटनिरपेक्षता और अंतरराष्ट्रीय स्वायत्तता की साझा विरासत के साथ– साथ एक गहन सांस्कृतिक विरासत है। 15 मार्च 1950 को भारत और ईरान ने मैत्री संधि के माध्यम से औपचारिक गठबंधन किया था। प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की ईरान यात्रा, जिसकी परिणति अप्रैल 2001 में तेहरान घोषणा के अनुसमर्थन में हुई, ने, राष्ट्रपति सैय्यद मोहम्मद खातमी की भारत यात्रा और फिर 2003 में नई दिल्ली घोषणा का आधार तैयार किया, जिससे भारत और ईरान के बीच सहयोग की रूपरेखा में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। इन दो मौलिक दस्तावेजों ने संभावित सहयोग के मार्गों को स्पष्ट किया और दोनों देशों के बीच निरंतर साझेदारी के लिए दूरदर्शी खाका तैयार किया।

अध्यक्ष ने टिप्पणी की कि भारत ने कभी भी ईरान के हितों के खिलाफ काम नहीं किया है। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के साथ– साथ ब्रिक्स में भी ईरान का समर्थन किया है। ईरान को प्रतिबंधों के मुद्दे को हल करने के लिए अधिक समर्पण दिखाने की आवश्यकता है। भारत चाबहार परियोजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखता है और गाज़ा संकट में राजनीतिक समाधान के महत्व पर ज़ोर देता है।

पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव के मद्देनज़र, अध्यक्ष ने दोहराया कि भारत ने हमेशा बातचीत और कूटनीति की हिमायत की है, और दोनों पक्षों से संयम बरतने का अनुरोध किया है। भारत– ईरान व्यापार संबंधों की आर्थिक क्षमता का दोहन करने की जरूरत है। नए ट्रम्प शासन के कार्यभार संभालने के साथ, भारत संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आशान्वित है। बातचीत के बाद प्रश्नोत्तर सत्र रखा गया था।

“चीन की नई वैश्विक पहल: एजेंडा और परिणाम” पर पैनल चर्चा, 26 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 26 नवंबर 2024 को सप्रू हाउस में "चीन की नई वैश्विक पहलः एजेंडा और परिणाम" विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की। इस चर्चा की अध्यक्षता चीन में पूर्व राजदूत और डीपीजी, नई दिल्ली के प्रतिष्ठित फेलो राजदूत नलिन सूरी ने की। आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने स्वागत भाषण दिया। लेफ्टिनेंट जनरल एस. एल. नरसिम्हन, पूर्व महानिदेशक, सीसीसीएस, नई दिल्ली; प्रो. बी. आर. दीपक, जेएनयू, नई दिल्ली; और प्रो. अविनाश गोडबोले, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत ने पैनल सदस्य के रूप में अपने–अपने विचार रखे।

चीन द्वारा बीते तीन वर्षों में घोषित वैश्विक विकास पहल (जीडीआई), वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई), वैश्विक सभ्यता पहल (जीसीआई) जैसी पहलों को बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की निरंतरता के रूप में देख जाना चाहिए। इन पहलों को एक सामूहिक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसमें एक दूसरे को शामिल किया गया है। यह बताया गया कि ये पहल बीजिंग की चीन– केंद्रित विश्व व्यवस्था की इच्छा को दर्शाता है। साथ ही, इस बात पर भी ध्यान दिया गया कि इन पहलों और प्रस्तावों को दूसरे देशों द्वारा अपनाए गए पदों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसमें पश्चिम के साथ– साथ हिंद– प्रशांत विज़न भी शामिल है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी/ CSCAP) का 14वां महासम्मेलन, कुआलालंपुर, मलेशिया, 2-3 दिसंबर 2024

सीएससीएपी का 14वां आम सम्मेलन 2-3 दिसंबर 2024 को मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित किया गया। सीएससीएपी इंडिया का प्रतिनिधित्व राजदूत प्रशांत पिसे, उपमहानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. संजीव कुमार, वरिष्ठ शोधार्थी एवं समन्वयक, सीएससीएपी– इंडिया ने किया। प्रोफेसर प्रबीर डे. आरआईएस, नई दिल्ली ने सीएससीएपी– इंडिया की ओर से सम्मेलन के चौथे सत्र में अपने विचार रखे।

सीएससीएपी के सह– अध्यक्ष (आसियान अध्यक्ष) और आईएसआईएस, मलेशिया के अध्यक्ष प्रो. फैज़ अब्दुल्ला ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मलेशिया के लिए यह अच्छा समय है क्योंकि वह 2025 में आसियान की अध्यक्षता संभालेगा। यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जो दक्षिण पूर्व एशिया और व्यापक क्षेत्र के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण समय पर मिल रही है।

मुख्य भाषण मलेशिया के विदेश मंत्री दातो सेरी उतामा हाज़ी मोहम्मद बिन हाज़ी हसन ने दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि साझा सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए देश कई सहयोगी रणनीतियों को अपना सकते हैं जैसे (क) क्षेत्रीय रक्षा संरचना को मजबूत बनाना, (ख) संघर्ष समाधान व्यवस्था विकसित करना और (ग) समुद्री सुरक्षा सहयोग। विदेश मंत्री ने कहा कि 2025 में आसियान की अध्यक्षता संभालने के साथ ही मलेशिया का लक्ष्य समावेशिता, स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता के साथ ठोस प्रगति करना है।

भारतीय प्रतिनिधि ने वैश्विक दक्षिण के देशों को आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन को बढ़ावा देने में आने वाली चुनौतियों का समाधान मिल कर काम करने पर बात की। वैश्विक दक्षिण कई कारणों से महत्वपूर्ण है। इसमें नियम– आधारित वैश्विक व्यवस्था विकसित करना शामिल है जो आर्थिक एकीकरण और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन को बढ़ावा दे सकता है।

61वीं सीएससीएपी संचालन समिति की बैठक, कुआलालंपुर, मलेशिया, 4 दिसंबर 2024

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की 61वीं संचालन समिति की बैठक (एससीएम) 4 दिसंबर 2024 को मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित हिल्टन होटल में आयोजित की गई। इस बैठक में आईसीडब्ल्यूए के उप– महानिदेशक राजदूत प्रशांत पिसे और सीएससीएपी– भारत के वरिष्ठ शोधार्थी एवं समन्वयक डॉ. संजीव कुमार शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता आसियान अध्यक्ष और आईएसआईएस, मलेशिया के अध्यक्ष प्रोफेसर फ़ैज अब्दुल्ला ने की। एससीएम में प्रशासनिक और वित्तीय मामलों के साथ– साथ चल रहे अध्ययन समूहों की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

अलेक्जेंडर गोरचकोव पब्लिक डिप्लोमेसी फंड, मॉस्को के प्रमुख परियोजना प्रबंधक श्री अलेक्जेंडर नोविकोव और अन्य ने आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 3 दिसंबर 2024

मॉस्को स्थित अलेक्जेंडर गोरचकोव पब्लिक डिप्लोमेसी फंड के प्रमुख परियोजना प्रबंधक श्री अलेक्सांद्र नोविकोव और परियोजना निदेशक श्रीमती अनास्तासिया कोटोवा ने 3 दिसंबर 2024 को आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर से मुलाकात की। उन्होंने विशेषज्ञों और विचारों के आदान– प्रादन के साथ– साथ भविष्य में कार्यक्रमों के आयोजन सहित सहयोग के संभावित अवसरों पर चर्चा की।

डॉ. श्रीराम चौलिया द्वारा लिखित पुस्तक 'फ्रेंड्सः इंडियाज़ क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स' पर चर्चा, 5 दिसंबर 2024

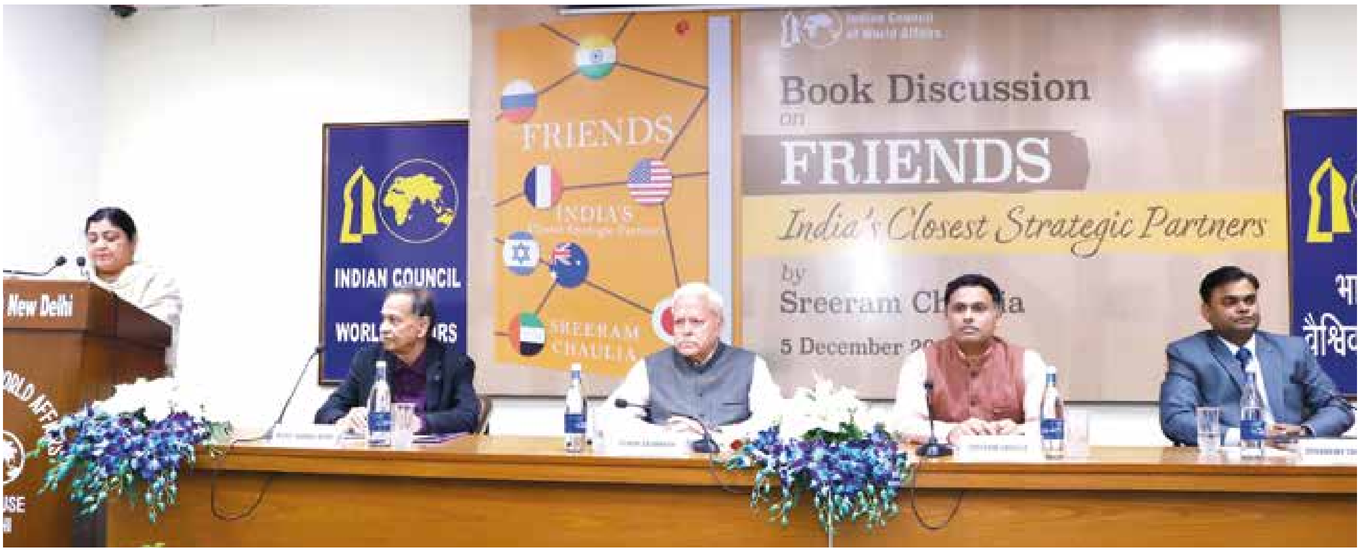

आईसीडब्ल्यूए ने प्रोफेसर श्रीराम चौलिया की पुस्तक 'फ्रेंड्सः इंडियाज़ क्लोजेस्ट स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स' पर एक चर्चा का आयोजन किया। चर्चा की अध्यक्षता राजदूत अशोक सज्जनहार ने की और कार्यक्रम में स्वागत भाषण आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने दिया। चर्चा में प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) मोहम्मद बदरूल आलम, जामिया मिलिया इस्लामिया और डॉ. धनंजय त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर,

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, ने अपने विचार रखे। चर्चा के दौरान यह बताया गया कि पुस्तक भारत की अद्वितीय और स्वतंत्र पहचान पर ज़ोर देती है चाहे ब्रिक्स, एससीओ आदि जैसे बहुपक्षीय संस्थानों में इसकी भूमिका कुछ भी हो। जबकि भारत बहुपक्षीय संगठनों का सदस्य है, यह हेजिंग के बजाय हितों की सक्रिए खोज के जरिए अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखता है। लेखक ने कहा कि यह निराशावादी समय में एक आशावादी किताब है जो बताती है कि कुछ दोस्त दूसरों की तुलना में अधिक टेढ़े होते हैं लेकिन फिर भी वे दोस्त होते हैं।

रक्षा अध्ययन संस्थान, रक्षा मंत्रालय, वियतनाम के साथ बातचीत, 11 दिसंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने 11 दिसंबर 2024 को भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस, नई दिल्ली के दौरे पर वियतनाम के रक्षा अध्ययन संस्थान के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वु कुओंग क्वेट और उनकी टीम का स्वागत किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के सामने मौजूद कई चुनौतियों के बारे में बात की। भारत– वियतनाम संबंध दो कारणों से महत्वपूर्ण हो जाते हैं: (क) दोनों देशों को सीमा पार आतंकवाद, आक्रामक चीन और हिमालय एवं दक्षिण चीन सागर दोनों में उसके अवैध दावों जैसी सुरक्षा एवं संप्रभुता संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और (ख) भारत की रणनीतिक स्वायत्तता एवं वियतनाम की "फोर नो" नीति के बीच समरूपता। समुद्री सुरक्षा में भारत का योगदान क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की हिंद– प्रशांत नीति आसियान केंद्रीयता के सिद्धांत पर केंद्रित है।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष का सप्रू हाउस दौरा, 14 दिसंबर 2024

भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा (आईपीएंडटीएएफएस) का 50वां स्थापना दिवस सप्रू हाउस में राष्ट्रीय संचार अकादमी– वित्त (एनसीए– एफ) के सहयोग से मनाया गया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर माननीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया भी उपस्थित थे।

"श्रीलंका में हाल के घटनाक्रम: महत्व और निहितार्थ" पर पैनल चर्चा, 17 दिसंबर 2024

श्रीलंका में हाल के घटनाक्रमः महत्व और निहितार्थ विषय पर पैनल चर्चा 17 दिसंबर 2024 को सप्रू हाउस में आयोजित की गई। स्वागत भाषण आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने दिया। पैनल चर्चा की अध्यक्षता ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जिंदल स्कूल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स में स्ट्रैटेजिक एड इंटरनेशनल इनिशिएटव के डीन राजदूत मोहन कुमार ने की। पैनल के तीन प्रमुख सदस्य थे– प्रोफेसर एस.डी. मुनि, प्रोफेसर एमेरिट्स, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय। प्रोफेसर अजय दर्शन बेहरा, एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़, जामिया मिलिया

इस्लामिया (जेएमआई) और डॉ. निशान डी मेल, कार्यकारी निदेशक, वेरिट रिसर्च, श्रीलंका कोलंबो से वर्चुअल चर्चा में शामिल हुए।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति के रूप में अनुरा कुमारा दिसानायका की हाल ही में नई दिल्ली के दौरे को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारत और श्रीलंका के बीच सहस्राब्दियों पुराने सभ्यतागत और साझा सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों पर भी बात की। पैनल ने आर्थिक संकट के बीच श्रीलंका में एक नए राष्ट्रपति के चुनाव को दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की जीत के रूप में रेखांकित किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि श्रीलंका की रिकवरी में विकास ने घरेलू संकटों को हल करने के लिए लोकतंत्र की क्षमता को दर्शाया है। पैनल ने यह भी कहा कि यद्यपि राष्ट्रपति के पास संसद में दो– तिहाई बहुमत है लेकिन चुनौती यह है कि भ्रष्टाचार से निपटने के लिए पर्याप्त अधिकार बनाए रखते हुए वे किस प्रकार से राष्ट्रपति के अधिकारों को सीमित कर सकते हैं। पैनल ने श्रीलंका के चुनावी इतिहास में एक महत्वपूर्ण बदलाव पर भी बात की, जहाँ एक तीसरी पार्टी– नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) और यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के लंबे समय से चले आ रहे प्रभुत्व को कम किया। इस घटना को "लोकतांत्रिक क्रांति" कहा गया जो राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐतिहासिक बदलाव को दर्शाता है।

"तालिबान के शासन में अफ़गानिस्तानः अतीत के सबक और भविष्य की राह" पर पैनल चर्चा, 20 दिसंबर 2024

भारतीय वैश्विक परिषद ने 20 दिसंबर 2024 को 'तालिबान के शासन में अफ़गानिस्तानः अतीत के सबक और भविष्य की राह' विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा की अध्यक्षता सीरिया, अफगानिस्तान और म्यांमार में भारत के पूर्व राजदूत गौतम मुखोपाध्याय ने की। अफ़गानिस्तान में भारतीय मिशन के रक्षा सलाहकार और सैन्य सहयोगी (2020-21) ब्रिगेडियर सौरभ शर्मा ने अफ़गानिस्तान पर विशेष व्याख्यान दिया। जिंदल स्कूल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के एसोसिएट प्रोफेसर और जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर अफ़गानिस्तान स्टडीज़ के निदेशक राघव शर्मा और नई दिल्ली के सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज़ की प्रतिष्ठित शोधार्थी डॉ. शालिनी चावला ने चर्चा में हिस्सा लिया। आईसीडब्ल्यूए की अपर सचिव श्रीमती नूतन कपूर महावर ने स्वागत भाषण दिया।

चर्चा के दौरान बताया गया कि हालांकि तालिबान ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और इसके साथ ही अफगानिस्तान में आंतरिक सुरक्षा की स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन साथ ही मानवीय स्थिति बिगड़ी है। तालिबान ने अफ़गानिस्तान में सत्ता पर एकाधिकार कर लिया है और एक विद्रोही समूह से कार्यशील सरकार में बदल गया है। हालांकि आईएसकेपी (ISKP) तालिबान शासन के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है लेकिन यह अफ़गानिस्तान से जुड़े सभी पक्षों के लिए चिंता का सामान्य कारण बना हुआ है। तालिबान के लिए दूसरी चुनौतियों में नार्को– कल्टीवेटर्स से स्थानीय प्रतिरोध, स्थिर अर्थव्यवस्था, राजस्व संग्रह और कर योग्य आय में कमी एवं प्रमुख निवेश में गिरावट होना शामिल है। तालिबान– पाकिस्तान संबंध तानवपूर्ण बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान टीटीपी को नियंत्रित करने के लिए तालिबान के साथ मध्यस्थता करने के लिए चीन का इस्तेमाल कर रहा है, बीजिंग ने तालिबान के साथ अपने संबंधों को पाकिस्तान से स्वतंत्र रखा है।

"बदलती विश्व व्यवस्था और भारत की चुनौतियाँ" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन, एशिया सेंटर, बेंगलुरु, 04 अक्टूबर 2024

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के सहयोग से एशिया सेंटर, बेंगलुरु ने "बदलती विश्व व्यवस्था और भारत की चुनौतियाँ" विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। राजदूत लता रेड्डी ने उद्घाटन भाषण दिया। तक्षशिला संस्थान के निदेशक श्री नितिन पई, टीमलीज़ सर्विसेज़ लिमिटेड के अध्यक्ष श्री नारायण रामचंद्रन और तक्षशिला संस्थान के रणनीतिक अध्ययन कार्यक्रम के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) प्रकाश मेनन ने वर्तमान वैश्विक भू– राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक परिदृश्यों, भारत के लिए चुनौतियों और इन चुनौतियों का समाधान कर भारत कैसे बदलती विश्व व्यवस्था में आगे बढ़ सकता है, इसके बारे में अपने विचार साझा किए। आईसीडब्ल्यूए के रिसर्च एसोसिएट अमन कुमार ने सम्मेलन में आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व किया। रूस, चीन और नई विश्व व्यवस्था पर उनके नज़रिए पर अपने विचार प्रस्तुत किए और पैनल चर्चा में भाग लिया।

"टेक डिप्लोमेसी 2.0: डिजिटल दशक में भारत का वैश्विक रणनीतिक गठबंधन" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, 4-5 अक्टूबर, 2024

भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु ने 4-5 अक्टूबर 2024 को "टेक डिप्लोमेसी 2.0: डिजिटल दशक में भारत का वैश्विक रणनीतिक गठबंधन" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में भारतीय

वैश्विक परिषद के रिसर्च एसोसिएट केशव वर्मा ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया। यह सम्मेलन आईसीडब्ल्यूए के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत आयोजित किया गया था। केशव वर्मा ने डिजिटल युग में भारत की कूटनीतिक भागीदारी को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में टेक डिप्लोमेसी की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए।

"ब्राज़ील की जी–20 अध्यक्षता: संभावनाएं और चुनौतियां" विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन, जिंदल ग्लोबल सेंटर फॉर जी– 20 स्टडीज (जेजीसी4जी20), सोनीपत हरियाणा, 8 अक्टूबर 2024

जिंदल ग्लोबल सेंटर फॉर जी20 स्टडीज़ (जेडीसी4जी20) ने 8 अक्टूबर 2024 को एक सम्मेलन आयोजित किया था, जिसका विषय था " ब्राज़ील की जी–20 अध्यक्षताः संभावनाएं और चुनौतियां।" अवनी सबलोक ने सम्मेलन में आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व किया। अपने संबोधन में उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सतत विकास और बहुपक्षीय विकास बैकों (एमडीबी) में सुधार हेतु ब्राज़ील के जी–20 अध्यक्षता और जी– 20 ट्रोइका (भारत– ब्राजील– दक्षिण अफ्रीका) के तहत 'निरंतर प्रतिबद्धता' पर चर्चा की।

भारत में ब्राज़ील के राजदूत महामहिम केनेथ फेलिक्स हैक्ज़िंस्की दा नोब्रेगा ने विशेष संबोधन प्रस्तुत किया और मुख्य भाषण प्रोफेसर (डॉ.) हर्ष वी. पंत, उपाध्यक्ष, अध्ययन और विदेश नीति, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली ने दिया। अन्य वक्ताओं में श्रीमती नंदिता बरुआ, राष्ट्रीय प्रतिनिधि भारत, द एशिया फाउंडेशन, प्रोफेसर (राजदूत) संजय भट्टाचार्य, डिप्लोमैटिक प्रैक्टिस के प्रोफेसर, डॉ. हेबतल्लाह एडम, प्रोफेसर, जिंदल स्कूल फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स और डॉ. अंशु जोशी, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़, जेएनयू, थे।

“हिंद– प्रशांत क्षेत्र में इतिहास, संस्कृति और वाणिज्य: अतीत और वर्तमान” पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, अमृता विहार, संबलपुर, ओडिशा, 23-24 अक्टूबर, 2024

जिंदल ग्लोबल सेंटर फॉर जी20 स्टडीज़ (जेडीसी4जी20) ने 8 अक्टूबर 2024 को एक सम्मेलन आयोजित किया था, जिसका विषय था " ब्राज़ील की जी–20 अध्यक्षताः संभावनाएं और चुनौतियां।" अवनी सबलोक ने सम्मेलन में आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व किया। अपने संबोधन में उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सतत विकास और बहुपक्षीय विकास बैकों (एमडीबी) में सुधार हेतु ब्राज़ील के जी–20 अध्यक्षता और जी– 20 ट्रोइका (भारत– ब्राजील– दक्षिण अफ्रीका) के तहत 'निरंतर प्रतिबद्धता' पर चर्चा की।

भारत में ब्राज़ील के राजदूत महामहिम केनेथ फेलिक्स हैक्ज़िंस्की दा नोब्रेगा ने विशेष संबोधन प्रस्तुत किया और मुख्य भाषण प्रोफेसर (डॉ.) हर्ष वी. पंत, उपाध्यक्ष, अध्ययन और विदेश नीति, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली ने दिया। अन्य वक्ताओं में श्रीमती नंदिता बरुआ, राष्ट्रीय प्रतिनिधि भारत, द एशिया फाउंडेशन, प्रोफेसर (राजदूत) संजय भट्टाचार्य, डिप्लोमैटिक प्रैक्टिस के प्रोफेसर, डॉ. हेबतल्लाह एडम, प्रोफेसर, जिंदल स्कूल फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स और डॉ. अंशु जोशी, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़, जेएनयू, थे।

"भू-राजनीतिक गतिशीलता और भारत की विदेश नीतिः उभरती चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, श्री वार्ष्णेय कॉलेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, 9-10 नवंबर 2024

भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से 9-10 नवंबर 2024 को श्री वार्ष्णेय कॉलेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में "भू– राजनीतिक गतिशीलता और भारत की विदेश नीति: उभरती चुनौतियां और अवसर" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विविध प्रकार की पैनल चर्चाएं हुईं। डॉ. अरशद, शोधार्थी ने परिषद की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और उद्घाटन सत्र में विशेष भाषण दिया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राजदूत (सेवानिवृत्त) जीतेन्द्र कुमार त्रिपाठी थे। मुख्य वक्ता डॉ. एस. के. मिश्रा जे.डी.एस. कॉलेज, हिसार, हरियाणा, थे। श्री वार्ष्णेय कॉलेज के अध्यक्ष, सीए अतुल कुमार गुप्ता और संगोष्ठी के समन्वयक कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. बृजेश कुमार भी मौजूद थे। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान के डीन प्रो. मिर्ज़ा असमर बेग मुख्य अतिथि थे और हिंदू कॉलेज मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के रक्षा विभाग के प्रमुख प्रो. आनंद कुमार सिंह समापन सत्र के मानद अतिथि थे।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची में "प्रवास और अस्थिरता की बदलती गतिशीलता" पर एक दिवसीय सम्मेलन, 11 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए के प्रवासन, गतिशीलता और प्रवासी अध्ययन केंद्र (सीएमएमडीएस/CMMDS) की रिसर्च एसोसिएट और लीड श्रीमती अंबी ने रांची के झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में "प्रवास और अस्थिरता की बदलती गतिशीलता" विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान आईसीडब्ल्यूए के आउटरीच कार्यक्रम के तहत झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपने व्याख्यान में, श्रीमती अंबी ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवास के विकास, प्रवास और परिवर्तनशील शासन में भारत की सक्रिए भूमिका, उभरते रुझानों एवं प्रवास पर श्रमिकों, पेशेवरों और छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का वर्णन किया।

आईसीडब्ल्यूए– आईओएम परियोजना, युवाओं एवं कुशल पेशेवरों के लिए नियमित एवं सहायता प्राप्त प्रवास को बढ़ावा देना (प्रयास), चंडीगढ़, 13-14 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए– आईओएम (अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन) परियोजना के तहत युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए नियमित एवं सहायता प्राप्त प्रवास को बढ़ावा देना (प्रयास/PRAYAS), आईसीडब्ल्यूए के निदेशक श्री हितेश राजपाल ने श्री आलोक कुमार के नेतृत्व में आईओएम टीम के साथ सीएमएमडीएस, आईसीडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने पीओई, चंडीगढ़ श्री यशु दीप सिंह से मुलाकात की और प्रवास से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की। इच्छुक छात्रों के साथ उनकी आकांक्षाओं, जरूरतों– प्रस्थान पूर्व और उसके बाद की चुनौतियों एवं बाधाओं को दूर करने के तरीकों को बेहतर तरीके से समझने के लिए एक केंद्रित समूह चर्चा आयोजित की गई।

“प्रवास और प्रवासी समुदाय की बदलती गतिशीलताः भारत की वैश्विक छवि का लाभ उठाना” विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 18-19 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए, आईसीएसएसआर (भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद) के सहयोग से पश्चिम एशियाई अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने 18-19 नवंबर 2024 को "प्रवास और प्रवासी समुदाय की बदलती गतिशीलताः भारत की वैश्विक छवि का लाभ उठाना" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। प्रवासन, गतिशीलता और प्रवासी अध्ययन केंद्र (सीएमएमडीएस) की आरए और लीड श्रीमती अंबी ने “प्रवास, विकास और राष्ट्र निर्माण” पर पूर्ण सत्र में भाषण दिया जिसमें भारतीय प्रवासियों की परिवर्तनकारी सफर के साथ– साथ प्रवासन शासन में भारत की भूमिका और विदेशों में अपने प्रवासियों की भलाई के लिए समर्थन पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन के मुख्य वक्ताओं में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रवासी अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रोफेसर नरेश कुमार, केरल के एमजी विश्वविद्यालय के प्रवासन नीति एवं समावेशी शासन केंद्र के अध्यक्ष प्रोफेसर एम. वी. बिजूलाल, हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अउजिउ नियामाई और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निहारिका तिवारी शामिल थे। सम्मेलन का आयोजन आईसीडब्ल्यूए के विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम के तहत किया गया था।

“जी–20 के बाद भारत की विदेश नीति: एक विमर्श और नई राहों की खोज”, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), पिलानी, 25 नवंबर 2024

आईसीडब्ल्यूए और बिट्स पिलानी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, बिट्स पिलानी, पिलानी परिसर ने आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से 25 नवंबर 2024 को "विदेश नीति जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया। आईसीडब्ल्यूए के निदेशक श्री हितेश राजपाल ने भारत की विदेश नीति के 77 वर्षों पर मुख्य भाषण दिया, छात्रों एवं शिक्षकों के साथ संवाद किया और बिट्स पिलानी में आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए। स्वागत भाषण प्रो. एस. के. बरई, निदेशक बिट्स पिलानी, पिलानी परिसर और प्रो. संगीता शर्मा ने दिया। इसके बाद एक आकर्षक पैनल चर्चा हुई। विषय था– जी 20 के बाद भारत की विदेश नीति– नए विमर्श और नई राहों की खोज, चर्चा सत्र का संचालन प्रो. वीना रामचंद्रन ने किया और पैनल में प्रो. स्वर्ण सिंह, एसआईएस, जेएनयू और प्रो. श्रीराधा दत्ता, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, थे। निबंध प्रतियोगिता एवं चर्चाओं में बिट्स पिलानी के छात्रों ने बढ़– चढ़ कर हिस्सा लिया।

"भारतीय विदेश नीति की परिवर्तनीयता" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, मिज़ोरम विश्वविद्यालय, आइज़ोल, 21-22 नवंबर 2024

मिज़ोरम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से 25 से 26 नवंबर 2024 तक "भारत की विदेश नीतिः बदलते विश्व से मुकाबला" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) का प्रतिनिधित्व शोधार्थी डॉ. टुनचिनमंग लैंगल ने किया जिन्होंने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों के अध्ययन को बढ़ावा देने में परिषद की भूमिका पर प्रकाश डाला ताकि अंतरराष्ट्रीय मामलों पर सूचित राय का एक निकाय विकसित किया जा सके। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि मिज़ोरम सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा के माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वनलालथलाना थे। उन्होंने विदेश नीति पर व्यापक शोध और विश्लेषण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। म्यांमार में भारत के पूर्व राजदूत, राजदूत राजीव भाटिया मुख्य अतिथि थे और उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के सेमिनार बदलते विश्व में भारत की विदेश नीति को आगे बढ़ाने का मंच है। सत्र भारत की विदेश नीति के ऐतिहासिक संदर्भ और विरासत के साथ शुरू हुआ। जिसके बाद चर्चा भारत की विदेश नीति में परिवर्तन और निरंतरता के इर्द– गिर्द घूमती रही। सेमिनार के दूसरे दिन भारत के पूर्वी अभिविन्यास और उसके पड़ोसियों पर पैनल चर्चा हुई। इसके बाद, पैनल के सदस्यों ने भारत के अंतरराष्ट्रीय सहयोग और पहल पर विचार– विमर्श किया। अंतिम सत्र में एक मुक्त विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया था जिसमें पैनल के सदस्यों ने भारत की विदेश नीति में सॉफ्ट डिप्लोमेसी और पावर, भारत और उसके पड़ोसी, सुरक्षा रणनीतियां एवं बदलते विश्व में भारत पर अपने विचार प्रस्तुत किए। समापन सत्र में फिलीपींस और ब्रुनेई में भारत के राजदूत रहे राजदूत लालदुथलाना राल्ते भी उपस्थित थे।

“रूस - यूक्रेन संघर्ष और भारत का द्रष्टिकोण” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, अमर नाथ मिश्र पी. जी. कॉलेज, बलिया, उ. प्र. 30 नवंबर - 1 दिसंबर 2024

30 नवंबर और 1 दिसंबर 2024 को अमर नाथ मिश्रा पीजी कॉलेज (एएनएम कॉलेज), दूबे छपरा, बलिया में “रूस - यूक्रेन संघर्ष और भारत का दृष्टिकोण” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। सेमिनार भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित था। रिसर्च एसोसिएट डॉ. सुबोध चंद्र भारती ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया और उद्घाटन सत्र में भाषण दिया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता थे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र के प्रो. संजय कुमार पांडे थे। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा थे। संगोष्ठी में दो दिनों में अलग– अलग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के अंतरराष्ट्रीय संबंध के क्षेत्र के शिक्षकों और विद्वानों ने प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों में मेजबान कॉलेज के साथ– साथ उच्च शिक्षा के उन्य संस्थानों के छात्र, विद्वान और संकाय सदस्य शामिल थे। समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे बलिया के जिला और सत्र न्यायाधीश श्री अमित पाल सिंह।

पहली वार्षिक संगोष्ठी: पाकिस्तान 2024, एनआईएएस क्षेत्र अध्ययन– पाकिस्तान और दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय, 12-14 दिसंबर 2024

पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय में आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से हाइब्रिड प्रारूप में राष्ट्रीय प्रगत अध्ययन संस्थान (एनआईएएस) बेंगलुरु द्वारा तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। आईसीडब्ल्यूए एनआईएएस और पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन साझेदार है। प्रो. एसडी मुनि और राजदूत टीसीए राघवन द्वारा दिए गए दो उद्घाटन भाषणों को छोड़कर दस सत्र वाले इस सम्मेलन में पूर्व राजनयिकों और नीति निर्माताओं, शिक्षाविद्, शोधकर्ताओं और युवा विद्वानों ने समकालीन पाकिस्तान की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए कई मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा की। उद्घाटन सत्र के दौरान अनुसंधान निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने अपना संबोधन दिया। शोधार्थी डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्य ने रिसोर्स पर्सन के रूप में 'पाकिस्तान में सुरक्षा और समाज' विषय पर अपने विचार रखे।

पाकिस्तान पर प्रथम वार्षिक सम्मेलन में लैंगिक मुद्दों, जलवायु परिवर्तन, संस्कृति, संगीत, फैशन, जातीय और सांप्रदायिक आंदोलनों, अल्पसंख्यक और हाशिए पर रहने वाले समुदायों, प्रांतीय राजनीति, उग्रवाद, शहरीकरण और उसकी चुनौतियों, मीडिया की स्वतंत्रता और सोशल मीडिया की भूमिका, दक्षिणपंथ का उदय और अर्थव्यवस्था के साथ– साथ पाकिस्तान में सामरिक आयामों पर भी चर्चा की गई।

"शीत युद्ध 2.0 और भारत" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, रेवा यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, 13-14 दिसंबर, 2024

13-14 दिसंबर 2024 को बेंगलुरु में "शीत युद्ध 2.0 और भारत" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भू– राजनीति और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन उत्कृष्टता केंद्र, रेवा यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में परिषद का प्रतिनिधित्व आईसीडब्ल्यूए में आरए श्रीमती अवनी सबलोक ने किया।

उद्घाटन सत्र में डॉ. पी श्यामा राजू, चांसलर, रेवा यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, अवनी सबलोक, रिसर्च एसोसिएट, भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली, एडमिरल अरुण प्रकाश, पूर्व नौसेना प्रमुख, भारतीय नौसेना और प्रोफेसर एम.डी. नालापत, प्रोफेसर एमेरिट्स, रेवा यूनिवर्सिटी ने अपने भाषण दिए और भू– राजनीति और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन उत्कृष्टता केंद्र (सीईजीआईएस) के प्रमुख डॉ. विजय सखुजा ने सम्मेलन का आरंभ किया। "शीत युद्ध 2.0 और भारत" पर आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में उभरती वैश्विक सुरक्षा गतिशीलता पर विचार– विमर्श करने के लिए भारत भर के विश्वविद्यालयों और विचार मंचों के विशेषज्ञों को एक साथ लाना था। इस ट्रैक 2 सम्मेलन में पांच विशेष सत्र थे जिसमें शीत युद्ध 2.0 के वैचारिक और सैद्धांतिक निरूपण, इसके सामरिक और आर्थिक प्रभाव, परमाणु– तकनीकी उन्नति और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत की स्थिति पर चर्चा की गई।

"भारत-इजराइल सम्बन्ध अतीत से वर्तमान: चुनौतियां और संभावनाएं" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (हिन्दी में), बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, 19-20 दिसंबर 2024

उद्घाटन सत्र में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश के पूर्व कुलपति प्रो. रजनीकांत पांडे ने विद्वानों और शिक्षाविदों के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर समय पर सेमिनार आयोजित करने में कॉलेज की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने बीते कुछ दशकों में भारत–इज़रायल द्विपक्षीय संबंधों के बढ़ने के तरीके और अस्थिर पश्चिम एशियाई स्थिति की पृष्ठभूमि में संबंधों का अध्ययन करने के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कैसे आईसीडब्ल्यूए जैसी संस्थाओं ने न केवल दायरे में आने वाले संस्थानों को ऐसे सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रेरित किया है बल्कि युवा विद्वानों को जीवंत एवं सामयिक विषयों पर अपने विचार साझा करने के लिए भी एक मंच पर जुटाया है। उद्घाटन सत्र के दौरान आईसीडब्ल्यूए के शोधार्थी डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्य, बुद्धि विद्यापीठ पीजी कॉलेज, नौगढ़, सिद्धार्थ नगर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शक्ति जायसवाल, बापू पीजी कॉलेज, पीपीगंज की प्राचार्य प्रो. मंजू मिश्रा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अपने संबोधन दिए। इस सत्र के दौरान सेमिनार के समन्वयक और बापू पीजी कॉलेज के सुरक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. करुणेंद्र सिंह द्वारा संपादित सम्मेलन के लिए प्रस्तुत शोधपत्रों की एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

समापन सत्र में जवाहलाल नेहरू पीजी कॉलेज, महाराजगंज के पूर्व कुलपति प्रोफेसर डीएन पांडे और पीजी डीएवी कॉलेज, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीश मणि त्रिपाठी समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए समन्वयकों को बधाई देते हुए, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और भारतीय विदेश नीति में महत्वपूर्ण मुद्दों पर युवाओं को ज्ञानपूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गौण संस्थानों की भूमिका की सराहना की गई।

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु

एड्डुला वर्षिता

पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय

ऐश्वर्या उप्रेती

राजस्थान विश्वविद्यालय

सौम्यसिंह क्षत्रिय

पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय

नंदिनी खंडेलवाल

पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय

फरहान खान

जामिया मिलिया इस्लामिया

अदिति मिश्रा

एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

जूलिया जोस थैचिल

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात

रितिका मौर्या

पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर

सुगंधी

जामिया मिलिया इस्लामिया

मृत्युंजय गोस्वामी

जिंदल स्कूल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स

आईसीडब्ल्यूए प्रकाशन मुद्दा संक्षिप्त

1. मालावी में दुर्लभ पृथ्वी खनन की संभावनाएं: साझेदारी के अवसर, नंदिनी खंडेलवाल | 24 दिसंबर 2024
2. ओली की चीन यात्राः बीजिंग के प्रति झुकाव का प्रयास? डॉ. सुबोध चंद्र भारती | 19 दिसंबर 2024
3. क्यूबा का बार– बार होने वाला बिजली संकट और ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियाँ, गिरिशंकर एसबी| 18 दिसंबर 2024
4. अमेरिका को पहले स्थान पर लाने में जितना समय लगेगाः यूक्रेन के लिए ट्रम्प की शांति योजना, अमन कुमार | 18 दिसंबर 2024
5. ट्रम्प 2.0 और क्रिप्टोकरेंसी यूफोरिया, डॉ. स्तुति बनर्जी | 18 दिसंबर 2024
6. महामारी की बेहतर तैयारी के लिए एक स्वास्थ्य नज़रिया अपनाना, अवनी सबलोक | 11 दिसंबर 2024
7. कज़ाकिस्तान के पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र की भू– राजनीतिः भविष्य की ओर देखना या अतीत को थामे रखना, डॉ. पुनीत गौर | 10 दिसंबर 2024
8. भारत– ऑस्ट्रेलिया साझेदारीः नए क्षेत्रों और अनछुए क्षेत्रों में फल– फूल रही है, डॉ. प्रज्ञा पांडे | 05 दिसंबर 2024
9. जेवीपी के नेतृत्व वाली एनपीपी का उदयः श्रीलंका में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव, डॉ. समता मल्लेम्पति | 29 नवंबर 2024
10. नायब बुकेले की अध्यक्षता में अल– साल्वाडोर में ला मनो दुरा, डॉ. अर्नब चक्रवर्ती | 28 नवंबर 2024
11. प्रवासन प्रबंधनः वेनेजुएला के प्रवासियों और शरणार्थियों के प्रति कोलंबिया की प्रतिक्रिया, अदिति मिश्रा| 26 नवंबर 2024
12. फ्रांस ने पश्चिमी सहारा पर बदला अपना रुखः अल्जीरिया और मोरक्को के लिए निहितार्थ, डॉ. अरशद | 21 नवंबर 2024
13. इस्लामिक देश इराक और सीरिया– पतन, चुनौतियाँ और जड़ता, सुगंधी | 19 नवंबर 2024
14. अफ़गानिस्तान और इसकी वजह से अमेरिका के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ, डॉ. स्तुति बनर्जी | 19 नवंबर 2024
15. कज़ान घोषणापत्र और मध्य पूर्व ब्रिक्स देश, डॉ. लक्ष्मी प्रिया | 19 नवंबर 2024
16. जापान का परिवर्तनकारी प्रधानमंत्री चुनावः इशिबा औपचारिक रूप से पुनर्निर्वाचित, अल्पमत की सरकार बनाई, डॉ. टुनचिनमंग लैंगेल | 18 नवंबर 2024
17. एक साल बाद: गैबॉन का तख्तापलट और शासन पर इसका प्रभाव, नंदिनी खंडेलवाल | 25 अक्टूबर 2024
18. चौराहे पर आवामी लीगः बांग्लादेश में राजनीतिक उथल– पुथल और भविष्य की चुनौतियों का सामना, मधु श्री द्विवेदी | 23 अक्टूबर 2024
19. स्वीडन ने हिंद– प्रशांत हेतु रक्षा नीति लक्ष्य की घोषणा कीः अपने नज़रिए को पुनर्परिभाषित किया, डॉ. प्रज्ञा पांडे | 22 अक्टूबर 2024
20. कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ता तनावः आसन्न सैन्य कार्रवाई का खतरा, डॉ. टुनचिनमंग लैंगल | 22 अक्टूबर 2024
21. अमेरिकी चुनावों में प्रमुख घरेलू मुद्दे, डॉ. स्तुति बनर्जी | 21 अक्टूबर 2024
22. अर्जेंटीना के प्रांत ला रियोज़ा ने राष्ट्रपति पद के लिए आभासी– मुद्रा– परीक्षण आरंभ किया, डॉ. अर्नब चक्रवर्ती | 04 अक्टूबर 2024
23. मैक्सिको के न्यायिक सुधारों से अमेरिका और कनाडा से बढ़ता तनाव, गिरिशंकर एस.बी. | 03 अक्टूबर 2024
24. चीन-अफ्रीका सहयोग पर नौवीं संगोष्ठी का विश्लेषण, डॉ. तेशु सिंह | 03 अक्टूबर 2024

दृष्टिकोण

1. इज़रायल – लेबनान युद्ध पर फ्रांस की प्रतिक्रियाः फ्रांस की इज़रायल नीति में बदलावों पर आत्ममंथन, ऐश्वर्या उप्रेती | 26 दिसंबर 2024
2. दक्षिण– पूर्व एशिया और इसके आपराधिक स्थानों की भू– राजनीति, डॉ श्रीपति नायारण | 24 दिसंबर 2024
3. रुस ने सीरिया में सब कुछ नहीं गंवाया, अमन कुमार | 24 दिसंबर 2024
4. असद के शासन का पतन, डॉ. लक्ष्मी प्रिया | 20 दिसंबर 2024
5. बुडापेस्ट मेमोरेंडम 30: भू– राजनीति, विश्वास और कमज़ोर सुरक्षा आश्वासन में सबक, प्राची लोखंडे | 18 दिसंबर 2024
6. अमेरिका– चीन विवाद और तिब्बत का मामला, डॉ. तेशू सिंह | 05 दिसंबर 2024
7. स्काईडियो पर चीन के प्रतिबंध और व्यापक निहितार्थ, मुकेश कुमार | 29 नवंबर 2024
8. भारत– मालदीव के हालिया संबंधों का महत्व, डॉ. समता मल्लमपति | 30 अक्टूबर 2024
9. दो मोर्चे, एक रणनीतिः एकीकृत प्रतिरोध का अमेरिकी नज़रिया, मृत्युंजय गोस्वामी | 25 अक्टूबर 2024
10. पाकिस्तान द्वारा अज़रबैजान को जेएफ-17 बेचना और इसके व्यापक निहितार्थ, मुकेश कुमार | 23 अक्टूबर 2024
11. बीबीएनजे संधि में शामिल हुआ भारत: सागर शासन का नया युग, केशव वर्मा | 22 अक्टूबर 2024
12. नेपाल– बांग्लादेश ऊर्जा व्यापारः आशाजनक त्रिपक्षीय साझेदारी का एक नया अध्याय, सुबोध चंद्र भारती | 22 अक्टूबर 2024
13. कार्यालय में सौ दिनः कीर स्टारमर ने संकटग्रस्त समय को पार किया, अमन कुमार | 11 अक्टूबर 2024
14. अल्जीरिया में राष्ट्रपति चुनाव 2024: एक आकलन, डॉ. अरशद | 07 अक्टूबर 2024

आईसीडब्ल्यूए अतिथि कॉलम

1. '1994 के मास्को घोषणापत्र के तीस वर्षः बदलते विश्व में बहुलवादी राष्ट्र', राजदूत अजय मल्होत्रा | 31 दिसंबर 2024
2. 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर की समीक्षा का मामला', राजदूत मुखर्जी | 30 दिसंबर 2024
3. 'भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा: अवसर और चुनौतियाँ', श्री अब्दुल्ला मुसाबेह अल दारमाकी | 11 दिसंबर 2024
4. 'संयुक्त राष्ट्र सुधार और इसकी सीमाओं पर अफ्रीकी आम स्थिति', राजदूत गुरजीत सिंह | 25 अक्टूबर 2024

विशेष रिपोर्ट

1. 2024 में पाकिस्तान– चीन संबंधों का विश्लेषणः हर मौसम में दोस्ती के लिए कमज़ोर कड़ियों और चुनौतियों की पहचान, डॉ. श्रबना बरुआ | 30 दिसंबर 2024
2. मार्शल लॉ से लेकर महाभियोग तक: दक्षिण कोरिया के लिए परिणाम और निहितार्थ, डॉ. टुनचिनमंग लैंगल | 24 दिसंबर 2024
3. यमन के हूथी और घरेलू, क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में उनका बढ़ता प्रभुत्वः एक आकलन, डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी | 24 दिसंबर 2024
4. जारी इज़रायल– गाज़ा युद्ध और फ्रांस का बदलता कूटनीतिक प्रक्षेप पथ, डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी | 19 नवंबर 2024
5. तनाव बढ़ाना या संयम? ईरान के परमाणु खतरे के सामने इज़रायल की दुविधा, प्राची लोखंडे | 25 अक्टूबर 2024

मौखिक इतिहास परियोजना

1. श्री समर्स इन पाकिस्तान - मई 1958 से अक्टूबर 1960 तक, के वी पद्मनाभन, 9 अक्टूबर 2024

सप्रू हाउस के शोधपत्र

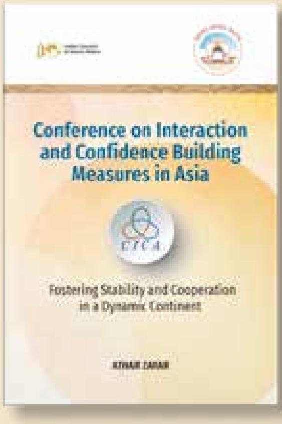

Conference on Interaction and Confidence Building Measures in Asia: Fostering Stability and Cooperation in a Dynamic Continent

By Dr. Athar Zafar

(Indian Council of World Affairs)

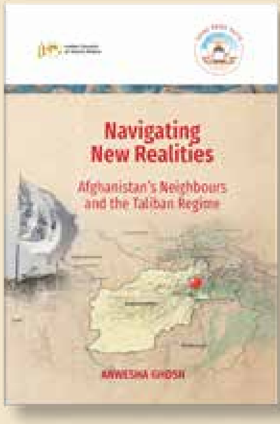

Navigating New Realities: Afghanistan's Neighbours and the Taliban Regime

By Dr. Anwesha Ghosh

(Indian Council of World Affairs)

भारतीय वैश्विक परिषद पुस्तकें

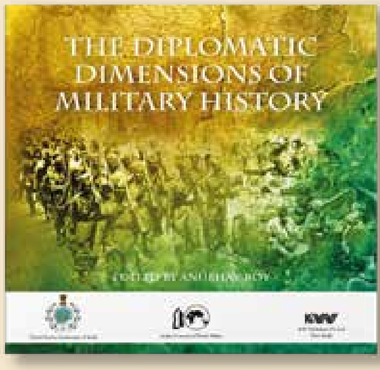

The Diplomatic Dimensions of Military History: Indian Armed Forces in France and Flanders during World Wars I and II

By Anubhav Roy

(Indian Council of World Affairs; United Service Institution of India; KW Publishers, 2024)

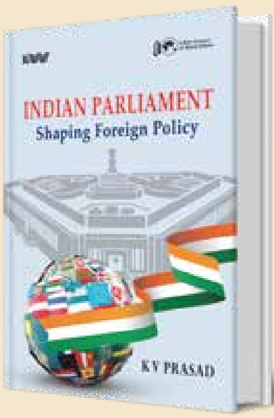

Indian Parliament: Shaping Foreign Policy

By K V Prasad

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2024)

इण्डिया क्वार्टरली, ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स
खंड 80, अंक 4, दिसंबर 2024

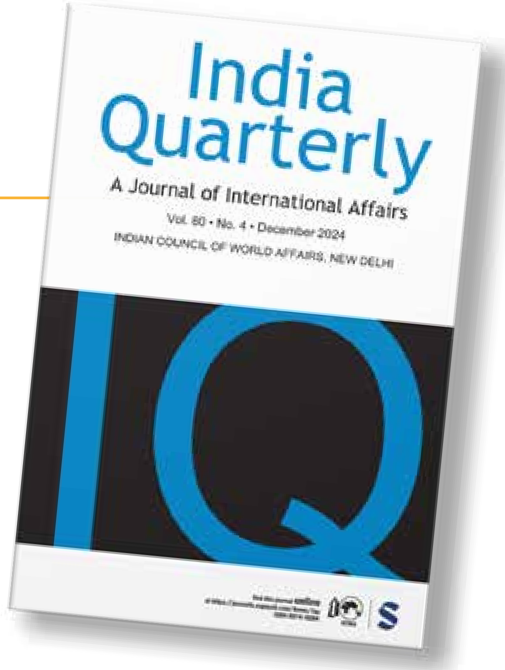

संपादकीय

वर्ष 2024 बदलावों का वर्ष रहा है। विश्व की चौवन फीसदी आबादी वैश्विक सकल उत्पाद का 60% हिस्सा, मतदान कर चुकी है या करेगी। निर्वाचित या नियुक्त किया गया नेतृत्व तेजी से जटिल होते वैश्विक परिवेश को आकार देगा। जबकि अधिकांश राष्ट्रीय चुनाव शायद ही कभी युद्ध और दूरदराज के क्षेत्रों में शांति के मुद्दे पर लड़े जाते हैं। आजीविका और काम की गरिमा, आर्थिक स्थिरता, व्यक्तिगत जीवन पर नई तकनीकों के प्रभाव और जलवायु न्याय एवं स्थिरता के बारे में घरेलू चिंताएं अब केवल देश के मुद्दे नहीं है बल्कि राष्ट्रों के अस्तित्व के आधार को भी विभाजित करती हैं। जहाँ पड़ोस में संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा निष्पक्ष और न्यायपूर्ण वितरण को लेकर विवाद पैदा करती हैं वहीं दूसरी जगहों पर विघटनकारी घटनाओं का प्रभाव– हाल ही में हुए युद्धों के कारण ऊर्जा से लेकर खाद्य पदार्थों तक की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ गईं हैं– नीति निर्माताओं के सर्वोत्तम इरादों को भी प्रभावित करने की आशंकित करता है जिससे घरेलू नीतियां बाहरी निर्णयों के अधीन हो जाती हैं। घरेलू और विदेशी नीतियों की इस जटिल भूलभुलैया में राष्ट्रीय और संस्थागत नेताओं को अलग– अलग मांगों का सामना करना पड़ता है। विश्व भर में नागरिक पूछ रहे हैं कि क्या उनके द्वारा चुने गए नेता और उनके द्वारा बनाई गई संस्थाएं इन कामों को करने के लिए उपयुक्त हैं?

आज के सबसे महत्वपूर्ण बदलावों के चालक वर्तमान विश्व व्यवस्था के विखंडन को तेज़ कर रहे हैं। जैसे– जैसे प्रमुख शक्तियां वैश्विक नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने पर अपने संसाधनों को केंद्रित करती जाती हैं, हम पाते हैं कि जिस विश्व व्यवस्था को वे बनाए रखना चाहती हैं, वह नैतिक नेतृत्व का दावा करने वाली और मूल्यों एवं सिद्धांतों को परिभाषित करने वाली मध्यम शक्तिसंपन्न राष्ट्रों के साथ बिखर रही हैं। छोटे देश भी युद्ध, संसाधन सहयोग या नई सुरक्षा नीतियों के माध्यम से अपने पड़ोस को आकार देने लगे हैं। म्यांमार से लेकर दक्षिण अमेरिका तक, राजनीतिक अभिजात वर्ग द्वारा देश पर कब्ज़ा करने के लिए आम चुनौतियां उभरी हैं, साथ ही विकसित अर्थव्यवस्थाओं में भी अनियमित बाज़ार पूंजीवाद एवं आर्थिक बहिष्कार का विरोध हुआ है। दूसरे स्थानों पर, नागरिकों ने राजनीतिक प्रतिनिधियों एवं सरकारों पर भविष्य की तकनीकों को शक्तिशाली हितों द्वारा हड़पे जाने से रोकने के लिए दबाव डाला है और व्यक्तियों एवं समुदायों के भविष्य को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं।

भविष्य के परिवर्तन भी कई कारकों पर निर्भर करते हैं जिनमें से एक यह है कि कोई भी देश अकेले वैश्विक अस्तित्व संबंधी संकटों से नहीं निपट सकता, जिससे अंतरराष्ट्रीय संवाद और सहयोग पर प्रश्न उठते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक संस्थाओं की सबके लिए बोलने की क्षमता पर भी सवाल उठते हैं। इनमें से कई मुद्दे संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन 2024 के एजेंडे में हैं, जो इस साल सितंबर में आयोजित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन के एजेंडा दस्तावेज़ मजबूत बहुपक्षवाद, वैश्विक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानून पर उम्मीद जगाते हैं जो वर्तमान में संकट में हैं।

इंडिया क्वार्टरली के इस अंक में कुछ लेख ऐसी संस्थाओं और सम्मेलनों को बनाए रखने में आने वाली कठिनाइयों और राष्ट्रों एवं आबादी को सुरक्षित रखने के लिए राष्ट्रीय नीतियों की क्षमता की ओर इशारा करते हैं। आंशिक रूप से वे नीति पर अंतरराष्ट्रीय कानून लागू करने में आने वाली कठिनाइयों की ओर इशारा करते हैं, खासकर तब जब सीमाओं के पार लंबे समय से संघर्ष जारी हैं। या जब समुदायों के बीच हिंसा स्थिरता को खतरा पहुँचाती है तो सीमा पार प्रवास के लिए मानवीय दृष्टिकोण को लागू करना। या सीमावर्ती आबादी एवं अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर विवाद के दीर्घकालिक प्रभाव पर, जबकि वैश्विक संस्थाएं शांति के लिए केवल दिखावा करती हैं। वे कुछ मामलों में सीमाओं और आबादी के सुरक्षाकरण की धारणाओं से ध्यान हटाने की संभावना की ओर भी संकेत करते हैं और बताते हैं कि सुरक्षा पर परस्पर निर्भरता किस तरह से प्राप्त की जा सकती है। आखिर में, दो शोधपत्र हमें याद दिलाते हैं कि संवाद और सहयोग पर उम्मीदों के बावजूद सत्ता परिवर्तन सत्ता परिवर्तन ही रहता है और जैसे– जैसे नई शक्तियाँ प्रभुत्व की तलाश करती हैं, संकट की धारणाएं और गहरी होती जाती हैं।

प्रो. मधु भल्ला
संपादक, भारत त्रैमासिक

भारतीय वैश्विक परिषद

भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में

भारतीय वैश्विक परिषद (ICWA) की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच.एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज एक आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति शोध करती है। यह सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज परिचर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित करती है और कई प्रकाशनों का प्रकाशन करती है। इसमें एक बहुत सी पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, एक सक्रिय वेबसाइट है, और यह 'इंडिया क्वार्टरली' पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापन किए हैं। परिषद की भारत में अग्रणी शोध संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी साझेदारी है।

सलाहकार एवं संपादक : श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

प्रबंध संपादक : डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक संपादक : डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

हमसे जुड़ें

/Sapru.House

@ICWA_NewDelhi

/ICWA_NewDelhi

www.icwa.in

/company/indian-council-of-world-affairs1

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रक

वेबसाइट: https://www.icwa.in; दूरभाष नं 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638